इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर्स को दी ट्रेनिंग, टेक्निकल एजुकेशन पर दिया जोर

रायपुर ◆ केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने टेक्नीकल एजुकेशन के महत्व को बताने के लिए आईआईएम रायपुर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसी के तहत यहां 5 दिन तक ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें जम्मू, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश और तेलंगाना राज्यों के इंजीनियरिंग कॉलेजों के सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर शामिल थे।

आईआईएम कैंपस में तकनीकी शिक्षा सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी) आयोजित किया गया। तकनीकी संस्थानों में उत्कृष्टता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने के मकसद से वरिष्ठ संकाय सदस्यों के लिए पांच दिवसीय व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया। एमएचआरडी द्वारा विश्व स्तरीय तकनीकी शिक्षा के महत्व को उजागर करने, वर्तमान प्रणाली, प्रक्रियाओं और बुनियादी अधोसंरचना की खामियों और कमियों की पहचान करने और शिक्षा और संसाधन प्रबंधन के वितरण के लिए मानक विकसित करने के उद्देश्य से आईआईएम रायपुर को यह दायित्व सौंपा गया है। 26 से 30 अगस्त तक चले के इस 11वें व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण में प्रो अर्चना पाराशर और प्रो पंकज सिंह इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक थे। इस कार्यक्रम के तहत कई तरह के सत्रों को कवर किया गया था। डॉ भरत भास्कर निदेशक, आईआईएम ने शैक्षणिक संस्थान में सुधार प्रणाली पर सत्र आयोजित किया। प्रो संजीव पराशर ने उम्मीदों कार्यस्थल प्रबंधन और पारस्परिक संबंधों के निर्माण पर एक सत्र लिया। प्रो. एम. कन्नाधसन द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में वित्तीय प्रणाली में सुधार पर और प्रो आरके जाना द्वारा शोध और विकास परियोजनाओं के प्रायोजन पर सत्र लिया गया। प्रो. परीक्षित चरण द्वारा विजन, मिशन और लक्ष्यों और शिक्षण एवं सीखने की रणनीतियों पर सत्र लिया गया। प्रोफेसर पंकज सिंह और प्रोफेसर अर्चना पाराशर द्वारा छात्र-शिक्षक सहभागिता पर एक सत्र आयोजित किया गया। प्रो. सुमीत गुप्ता ने ज्ञान प्रणाली और उद्योग संपर्क पर जानकारी दी। प्रो. मोहित गोस्वामी ने संबंध प्रबंधन और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्योग विवश्वविद्यालय से साझेदारी पर चर्चा की। प्रो पीआरएस सरमा द्वारा खरीद प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन के कार्यान्वयन पर कार्य किया गया। प्रो. सत्यसिबा दास ने मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया और चलन के बारे में चर्चा की। प्रो. सूर्या जॉय डे ने आईसीटी के उपयोग के बारे में चर्चा की। अंतिम दिन प्रमाण पत्र वितरण सत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Patrika, 31st Aug 2019,p.17.jpg